ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 21-05-2024

नालंदा(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-05-21 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-05-22	2024-05-23	2024-05-24	2024-05-25	2024-05-26
वर्षा (मिमी)	4	5	1	0	0
अधिकतम तापमान(से.)	38.4	37.6	35.6	36.2	38.3
न्यूनतम तापमान(से.)	26.7	25.6	26.7	27.2	29.3
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	52	58	46	39	40
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	24	29	29	25	19
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	16	16	13	10	16
पवन दिशा (डिग्री)	101	90	112	158	111
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	1	1	3	4

मौसम सारांश / चेतावनी:

• भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार, 22-26 मई के दौरान जिले के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा, मेघ- गर्जन और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना हैं। • अधिकतम तापमान 35-38 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 22-24 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है। • सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 20 से 35 प्रतिशत रहने की संभावना है। • पूर्वानुमान की अवधि में 14-25 किमी/घंटा की रप्तार से पूरबा हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

पूर्वानुमानित अवधि में वर्षा की संभावना को देखते हुए खड़ी फसलों में सिंचाई स्थगित करें। कीटनाशक दवा एवं खाद का छिडकाव मौसम साफ रहने पर ही करें।

लघु संदेश सलाहकार:

आकाशीय बिजली से सुरक्षा हेतु अलर्ट हेतु "दामिनी" मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान की नर्सरी के लिए खेत की तैयारी करें। देर से पकने वाली किस्मों की नर्सरी 25 मई से कर सकते हैं। स्वस्थ पौध के लिए नर्सरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करे। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	800- 1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौडाई 1.25-1.5 मीटर एवं लम्बाई सुविधानुसार रखें ।
मूँग	मूंग एवं उरद् में कीट एवं रोग-व्याधि की नियमित रुप से निगरानी करें। इन फसलों में सफेद मक्खी (एक रस चुसक कीट) के द्वारा प्रसारित होने वाला एक विनाशकारी रोग पीला मोजैक विषाणु रोग है। इसके शुरूवाती लक्षण पत्तियों पर पीले धब्बे के रूप दिखाई देता है, बाद में पत्तियाँ तथा फलियाँ पूर्ण रूप से पीली हो जाती है। इन पत्तियों पर उत्तक क्षय भी देखा जाता है। फलन काफी प्रभावित होता है। उपचार हेतु रोग ग्रसित पौधों को शुरू में ही उखाड़ कर नष्ट कर दें तथा इमिडाक्लोरोप्रिड 17.8 एस0 एल0/0.3 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
भिण्डी	भिंडी की फसल में तुड़ाई के बाद युरिया @ 5-10 कि.ग्रा. प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें तथा माईट कीट की निरंतर निगरानी करते रहें। अधिक कीट पाये जाने पर ईथियाँन @1.5-2 मि.ली./लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
लीची	लीची के पेड़ में अगर दीमक लग गया हो तो उसमे इथियन 50 ईसी @ 2 मिली / लीटर पानी में घोल बनाकर आसमान साफ रहने पर ही करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	गलाघोटू एवं लंगड़ी रोग से बचाव के लिए टीकाकरण कराने की आवश्यकता है। सभी दुधारू पशुओ में टीकाकरण अवश्य कराये।